चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	20.7.22	5	5-8

हकृवि में नशीली दवाओं के विरोध में अभियान आज से

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव करेंगे उद्घाटन

हिसार, 19 जुलाई (विरेंद्र वर्मा) : हरियाणा सरकार के नशा मुक्त हरियाणा मिशन को गति प्रदान करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 20 जुलाई को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के विरुद्ध विषय को लेकर जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ-साथ शहर वासियों को नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दी।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि देश व हरियाणा प्रदेश में फैल रहे नशा से चिंतित हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन जिसको धाकड़ यानि हिम्मत वाला नाम दिया गया है, की शुरूआत की है जिसकी जिम्मेवारी

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज संयोजकों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो सहित कुल 18 विभागों को सौंपी गई है जो आपसी सहयोग से प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। ऐसी कार्य योजना की शुरूआत करने वाला जहां हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है वहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में इस अभियान को आगे बढ़ाने वाला पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया इस कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकांत जाधव मुख्यातिथि होंगे जो उपर्युक्त विषय पर विशेषकर युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करेंगे। बता दें कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज स्वयं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जबकि लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के इन्दिरा गांधी सभागार में 11 बजे आरम्भ होगा।

नशा के विरूद्ध दिलाई जाएगी शपथ और निकाली जाएगी जागरूकता रैली

कुलपति ने बताया कि इस मौके पर कार्यक्रम में उपस्थित श्रोताओं को स्वयं नशा न करने और दूसरों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त आम जन को नशे के खिलाफ जागरूक करने के लिए शहर में एक रैली निकाली जाएगी जिसमें विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक टुकड़ियों में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा करेंगे और लोगों को नशा के विरूद्ध जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया इस मौके पर नशा छोड़ चुके व्यक्तियों द्वारा अपने अनुभवों को साँझा किया जाएगा।

कार्यक्रम की सफलता के लिए किया कमेटियों का गठन

उधर, इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कमेटियां बनाई गई हैं जिन्हे भिन्न-भिन्न जिम्मेवारियां सौंपी गई हैं। कुलपति ने इन कमेटियों के संयोजकों की बैठक लेकर कार्यक्रम के लिए उनके द्वारा किए गए प्रबंधों का जायजा लिया और इस कार्यक्रम को सफलता के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	20.7.22	4	2-5

एचएयू में धाकड़ अभियान आज से

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जाधव करेंगे नशे के खिलाफ अभियान का उद्घाटन

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में 20 जुलाई को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के विरूद्ध विषय को लेकर जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ-साथ शहरवासियों को नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने दी।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि देश व हरियाणा प्रदेश में फैल रहे नशा से चिंतित मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन जिसको धाकड़ यानि हिम्मत वाला नाम दिया गया है, जिसकी जिम्मेवारी हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो सहित कुल 18 विभागों को सौंपी गई है जो आपसी सहयोग से प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। ऐसी कार्य योजना की शुरूआत करने वाला जहां हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है। वहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में इस अभियान को आगे बढ़ाने वाला पहला विश्वविद्यालय है। इस कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव मुख्यातिथि होंगे जो युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करेंगे।

बता दें कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज स्वयं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जबकि लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डा. विनोद कुमार वर्मा इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में 11 बजे आरम्भ होगा।

एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कार्यक्रम संयोजकों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए। • एचएयू

नशे के विरुद्ध दिलाई जाएगी शपथ और निकाली जाएगी जागरूकता रैली

कुलपति ने बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित श्रोताओं को स्वयं नशा न करने और दूसरों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त आमजन को नशे के खिलाफ जागरूक करने के लिए शहर में एक रैली निकाली जाएगी जिसमें विवि के एनएसएस स्वयंसेवक टुकडियों में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा करेंगे व लोगों को नशा के विरुद्ध जागरूक करेंगे। मौके पर नशा छोड़ चुके व्यक्तियों द्वारा अपने अनुभवों को साझा किया जाएगा।

कार्यक्रम की सफलता के लिए किया कमेटियों का गठन

इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कमेटियां बनाई गई हैं जिन्हे भिन्न-भिन्न जिम्मेवारियां सौंपी गई हैं। कुलपति ने इन कमेटियों के संयोजकों की बैठक लेकर कार्यक्रम के लिए उनके द्वारा किए गए प्रबंधों का जायजा लिया और इस कार्यक्रम की सफलता के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	20.7.22	2	3-4

एचएयू में नशीली दवाओं के सेवन के विरुद्ध जागरूकता अभियान आज

18 विभाग प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा सरकार के नशा मुक्त हरियाणा मिशन को गति प्रदान करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 20 जुलाई को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के विरुद्ध विषय को लेकर जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है।

इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ-साथ शहर वासियों को नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि देश व हरियाणा प्रदेश में फैल रहे नशा से चिंतित हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन जिसको 'धाकड़' यानी हिम्मत वाला नाम दिया गया है, जिसकी शुरूआत की जा चुकी है। अभियान की जिम्मेदारी हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो सहित कुल 18 विभागों को सौंपी गई है जो आपसी सहयोग से प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे।

ऐसी कार्य योजना की शुरूआत करने वाला जहां हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है। वहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में इस अभियान को आगे बढ़ाने वाला पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव मुख्यातिथि होंगे, विशेषकर युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करेंगे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज स्वयं कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जबकि लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	20.7.22	2	7-8

NSS VOLUNTEERS FELICITATED

Hisar: The College of Agriculture at the Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University felicitated the volunteers of the National Service Scheme (NSS). The university Vice Chancellor, Professor BR Kamboj, presented the best volunteer of the year award to Yashpal, a third year student of BSc (agriculture) in the male category while Ruchika was awarded the best volunteer in the female category.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	20.7.22	4	4-5

• हरसैक के प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोले वीसी

भू-सूचना विज्ञान में कॅरिअर बनाने की अपार संभावनाएं

भास्कर न्यूज | हिसार

भू-सूचना एक रुचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना कॅरिअर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। यह बात सीसी एचएयू के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने कही। वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) की तरफ से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छह सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू विज्ञान,कम्प्युटर विज्ञान आदि विषयों के छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं । हरसैक के निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह आर्य ने कहा कि हरसैक राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के सर्वेक्षण, मानचित्रण, प्रबंधन, अवैध कॉलोनियों के मानचित्रण, राज्य शहरी सूचना प्रणाली के तहत शहरों के मानचित्र, पर्यावरण, कृषि, भूमि, पानी इत्यादि कार्यों में इस तकनीक का उपयोग सफलतापूर्वक कर रहा है। डॉ. अनूप कुमार ने प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि वैज्ञानिक रितेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	20.7.22	4	4-5

संयोजकों की बैठक लेते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

नशीली दवा सेवन के विरुद्ध अभियान आज से

हिसार, 19 जुलाई (ब्यूरो): हरियाणा सरकार के नशा मुक्त हरियाणा मिशन को गति प्रदान करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 20 जुलाई को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के विरुद्ध विषय को लेकर जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है।

» अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव करेंगे उद्घाटन

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि देश व हरियाणा प्रदेश में फैल रहे नशा से चिंतित हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन जिसको 'धाकड़' यानि हिम्मत वाला नाम दिया गया है, की शुरुआत की है जिसकी जिम्मेदारी हरियाणा स्टेट नार्कोटिक्स ब्यूरो सहित कुल 18 विभागों को सौंपी गई है जो आपसी सहयोग से प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। ऐसी कार्य योजना की शुरुआत करने वाला जहां हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है वहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में इस अभियान को आगे बढ़ाने वाला पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया इस कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नार्कोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव मुख्यातिथि होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	20.7.22	4	2-4

भू-सूचना में कॅरिअर की संभावनाएं : प्रो. कांबोज

हरसेक की ओर से छह सप्ताह अवधि का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। भू-सूचना एक रुचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना कॅरिअर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कही।

वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसेक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छह सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं। कुलपति ने कहा अंतरिक्ष तकनीक में हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। हमारे देश में सुदूर संवेदन उपग्रहों का उपयोग प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण के प्रबंधन में सफलतापूर्वक किया जा रहा है। आजकल देश में सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक का प्रयोग प्रशासकों एवं योजनाकारों के लिए सही समय पर फैसले लेने के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है। प्रो. कांबोज ने छात्रों से आह्वान किया कि वे इस तकनीक में गहन अध्ययन करने के लिए विश्व के उच्चस्तरीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर अच्छा रोजगार प्राप्त कर देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने छात्रों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरी तन्मयता से ज्ञान प्राप्त करने का भी आह्वान किया।

प्रो.बीआर कांबोज को स्मृति चिह्न भेंट करते हरसेक के समन्वयक डॉ. वीरेंद्र आर्य। संवाद

हरसेक के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह आर्य ने कहा कि यह तकनीक सरकारी व निजी क्षेत्र में बहुत रोजगारपरक है। इस मौके पर डॉ. अनूप कुमार, वैज्ञानिक रितेश कुमार आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	20.7.22	4	5

एचएयू में नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ अभियान आज से

हिसार। प्रदेश को नशा मुक्त करने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 20 जुलाई को नशीली दवाओं के सेवन और तस्करी के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ-साथ शहर वासियों को नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि हरियाणा को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन 'धाकड़' की शुरुआत की है। इस दौरान युवाओं को नशे से दूर रहकर खेलों में रोजगार के लिए जागरूक किया जाएगा।

एचएयू में 20 जुलाई को आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करेंगे। कुलपति इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दोर भूमि	20.7.22	10	2-4

भू-सूचना विज्ञान में विद्यार्थियों के लिए करियर बनाने की अपार संभावनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

भू-सूचना एक रूचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छः सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं।

हिसार। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को स्मृति चिन्ह देते हुए हरसैक के निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह आर्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	20.7.22	5	3-6

भू-सूचना विज्ञान में विद्यार्थियों के लिए करियर बनाने की अपार संभावनाएं : कुलपति

हिसार, 19 जुलाई (विरेंद्र वर्मा) : भू-सूचना एक रुचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छः सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू विज्ञान, कम्प्युटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए।

कुलपति ने कहा अन्तरिक्ष तकनीक में हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। भारत के पास विभिन उपग्रह जैसे कार्टोसेट, रिसोर्ससेट, रीसेट उपलब्ध हैं और विभिन प्रकार के उपग्रह छोड़ने हेतु लॉचिंग विहकल भी। इसके कारण हमारा देश अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरे देशों के उपग्रहों को अन्तरिक्ष में छोड़ने में समर्थ है। उन्होंने कहा की हमारे देश में सुदूर संवेदन उपग्रहों का उपयोग प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण के प्रबंधन में सफलतापूर्वक किया जा रहा है। आजकल देश में सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक का प्रयोग प्रशासकों एवं योजनाकारों के लिए सही समय पर फैसले लेने के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है। प्रो. काम्बोज ने छात्रों से आह्वान किया कि वे इस तकनीक में गहन अध्ययन करने के लिए विश्व के उच्चस्तरीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर अच्छा रोजगार प्राप्त कर देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने छात्रों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरी तन्मयता से ज्ञान प्राप्त करने का भी आह्वान किया।

हरसैक के निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह आर्य ने हरसैक की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा की हरसैक राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के सर्वेक्षण, मानचित्रण, प्रबंधन, अवैध कालोनियों के मानचित्रण, राज्य शहरी सूचना प्रणाली के तहत शहरों के मानचित्र, पर्यावरण, कृषि, भूमि,पानी इत्यादि कार्यों में इस तकनीक का उपयोग सफलता पूर्वक कर रहा है। उन्होंने कहा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व शोधार्थियों को सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक के बारे में अवगत करना है। यह तकनीक सरकारी व निजी क्षेत्र में बहुत रोजगारपरक है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनूप कुमार ने इस प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि हरसैक के वैज्ञानिक श्री रितेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। किया। इस अवसर पर हरसैक के सभी वैज्ञानिक, अधिकारिगण और कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	20.7.22	5	3-6

भू-सूचना विज्ञान में विद्यार्थियों के लिए करियर बनाने की अपार संभावनाएं : कुलपति

हिसार, 19 जुलाई (विरेंद्र वर्मा) : भू-सूचना एक रुचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छः सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू विज्ञान, कम्प्युटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए।

कुलपति ने कहा अन्तरिक्ष तकनीक में हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। भारत के पास विभिन उपग्रह जैसे कार्टोसेट, रिसोर्ससेट, रीसेट उपलब्ध हैं और विभिन प्रकार के उपग्रह छोड़ने हेतु लॉचिंग विहकल भी। इसके कारण हमारा देश अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरे देशों के उपग्रहों को अन्तरिक्ष में छोड़ने में समर्थ है। उन्होंने कहा की हमारे देश में सुदूर संवेदन उपग्रहों का उपयोग प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण के प्रबंधन में सफलतापूर्वक किया जा रहा है। आजकल देश में सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक का प्रयोग प्रशासकों एवं योजनाकारों के लिए सही समय पर फैसले लेने के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है। प्रो. काम्बोज ने छात्रों से आह्वान किया कि वे इस तकनीक में गहन अध्ययन करने के लिए विश्व के उच्चस्तरीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर अच्छा रोजगार प्राप्त कर देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने छात्रों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरी तन्मयता से ज्ञान प्राप्त करने का भी आह्वान किया।

हरसैक के निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह आर्य ने हरसैक की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा की हरसैक राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के सर्वेक्षण, मानचित्रण, प्रबंधन, अवैध कालोनियों के मानचित्रण, राज्य शहरी सूचना प्रणाली के तहत शहरों के मानचित्र, पर्यावरण, कृषि, भूमि,पानी इत्यादि कार्यों में इस तकनीक का उपयोग सफलता पूर्वक कर रहा है। उन्होंने कहा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व शोधार्थियों को सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक के बारे में अवगत करना है। यह तकनीक सरकारी व निजी क्षेत्र में बहुत रोजगारपरक है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनूप कुमार ने इस प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि हरसैक के वैज्ञानिक श्री रितेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। किया। इस अवसर पर हरसैक के सभी वैज्ञानिक, अधिकारिगण और कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	20.7.22	3	1-2

भू-सूचना तकनीक पर 6 सप्ताह की कार्यशाला

हिसार (निस) : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित भू-सूचना तकनीक पर 6 सप्ताह की प्रशिक्षण कार्यशाला हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) में करवाई जाएगी। इसके शुभारंभ अवसर पर कुलपति बीआर कम्बोज ने कहा कि भू-सूचना एक रूचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इसमें राज्य के विभिन महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू-विज्ञान, कम्प्युटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं। प्रो. कम्बोज ने छात्रों से आह्वान किया कि वे इस तकनीक में गहन अध्ययन करने के लिए विश्व के उच्चस्तरीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर अच्छा रोजगार प्राप्त कर देश के विकास में योगदान दे सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	19.07.2022	------	------

नशे के खिलाफ एचएयू में 'धाकड़' कार्यक्रम कल

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकांत जाधव करेंगे उद्घाटन

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। हरियाणा सरकार के नशा मुक्त हरियाणा मिशन को गति प्रदान करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 20 जुलाई को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के विरूद्ध विषय को लेकर जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ-साथ शहर वासियों को नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दी। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि देश व हरियाणा प्रदेश में फैल रहे नशा से चिंतित हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन जिसको 'धाकड़' यानि हिम्मत वाला नाम दिया गया है, की शुरूआत की है जिसकी जिम्मेवारी हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो सहित कुल 18 विभागों

को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। ऐसी कार्य योजना की शुरूआत करने वाला जहां हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है वहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में इस अभियान को आगे बढ़ाने वाला पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया इस कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव मुख्यातिथि होंगे जो उपर्युक्त विषय पर विशेषकर युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करेंगे।

बता दें कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज स्वयं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जबकि लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के इन्दिरा गांधी सभागार में 11 बजे आरम्भ होगा।

कुलपति ने बताया कि इस मौके पर कार्यक्रम में उपस्थित श्रोताओं को स्वयं नशा न करने और दूसरों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त आम जन को नशे के खिलाफ जागरूक करने के लिए शहर में एक रैली निकाली जाएगी जिसमें विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक टुकड़ियां में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा करेंगे और लोगों को नशा के विरूद्ध जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया इस मौके पर नशा छोड़ चुके व्यक्तियों द्वारा अपने अनुभवों को साँझा किया जाएगा।

उधर, इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कमेटियां बनाई गई हैं जिन्हे भिन्न-भिन्न जिम्मेवारियां सौंपी गई हैं। कुलपति ने इन कमेटियों के संयोजकों की बैठक लेकर कार्यक्रम के लिए उनके द्वारा किए गए प्रबंधों का जायजा लिया और इस कार्यक्रम की

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	19.07.2022	------	------

हकृवि में नशीली दवाओं के सेवन के विरूद्ध अभियान कल से, एडीजीपी जाधव करेंगे उद्घाटन

पांच बजे ब्यूज

हिसार। हरियाणा सरकार के नशा मुक्त हरियाणा मिशन को गति प्रदान करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 20 जुलाई को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के विरूद्ध विषय को लेकर जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ-साथ शहर वासियों को नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दी।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि देश व हरियाणा प्रदेश में फैल रहे नशा से चिंतित हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने हरियाणा को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन जिसको 'धाकड़' यानि हिम्मत वाला नाम दिया गया है, की शुरूआत की है जिसकी जिम्मेवारी हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो सहित कुल 18 विभागों को सौंपी गई है जो आपसी सहयोग से प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। ऐसी कार्य योजना की शुरूआत करने वाला जहां हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है वहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में इस अभियान को आगे बढ़ाने वाला पहला विश्वविद्यालय है।

उन्होंने बताया इस कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकांत जाधव मुख्यातिथि होंगे जो उपर्युक्त विषय पर विशेषकर युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करेंगे। ज्ञात दें कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज स्वयं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जबकि लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के इन्दिरा गांधी सभागार में 11 बजे आरम्भ होगा।

नशा के विरूद्ध दिलाई जाएगी शपथ और निकाली जाएगी जागरूकता रैली

कुलपति ने बताया कि इस मौके पर कार्यक्रम में उपस्थित श्रोताओं को स्वयं नशा न करने और दूसरों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त आम जन को नशे के खिलाफ जागरूक करने के लिए शहर में एक रैली निकाली जाएगी जिसमें विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक टुकड़ियों में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा करेंगे और लोगों को नशा के विरूद्ध जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया इस मौके पर नशा छोड़ चुके व्यक्तियों द्वारा अपने अनुभवों को साझा किया जाएगा।

कार्यक्रम की सफलता के लिए किया कमेटियों का गठन

उधर, इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कमेटियां बनाई गई हैं जिन्हें भिन्न-भिन्न जिम्मेवारियां सौंपी गई हैं। कुलपति ने इन कमेटियों के संयोजकों की बैठक लेकर कार्यक्रम के लिए उनके द्वारा किए गए प्रबंधों का जायजा लिया और इस कार्यक्रम की सफलता के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	19.07.2022	------	------

हिसार: भू-सूचना विज्ञान में विद्यार्थियों के लिए करियर बनाने की अपार संभावनाएं: बीआर कम्बोज

19 Jul 2022 18:40:58

हिसार, 19 जुलाई (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा है कि भू-सूचना एक रुचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मंगलवार को हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छह सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर अपना संबोधन दे रहे थे।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू विज्ञान,कम्प्यूटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा अंतरिक्ष तकनीक में हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। भारत के पास विभिन्न उपग्रह जैसे कार्टोसेट, रिसोर्ससेट, रीसेट उपलब्ध हैं और विभिन्न प्रकार के उपग्रह छोड़ने हेतु लांचिंग विहकल भी। इसके कारण हमारा देश अपने लिए ही नहीं, बल्कि दूसरे देशों के उपग्रहों को अन्तरिक्ष में छोड़ने में समर्थ है।

हरसैक के निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह आर्य ने हरसैक की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा की हरसैक राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के सर्वेक्षण, मानचित्रण, प्रबंधन, अवैध कालोनियों के मानचित्रण, राज्य शहरी सूचना प्रणाली के तहत शहरों के मानचित्र, पर्यावरण, कृषि, भूमि, पानी इत्यादि कार्यों में इस तकनीक का उपयोग सफलतापूर्वक कर रहा है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनूप कुमार ने इस प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि हरसैक के वैज्ञानिक श्री रितेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। किया। इस अवसर पर हरसैक के सभी वैज्ञानिक, अधिकारीगण और कर्मचारी मौजूद रहे।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव

19 Jul 2022

किसान आंदोलन में तल

19 Jul 2022

हरियाणा के स्कूलों में हि

19 Jul 2022

हरियाणा के राज्यपाल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	19.07.2022	------	------

भू-सूचना विज्ञान में विद्यार्थियों के लिए करियर बनाने की अपार संभावनाएं : प्रो. काम्बोज

पांच बजे ब्यूरो

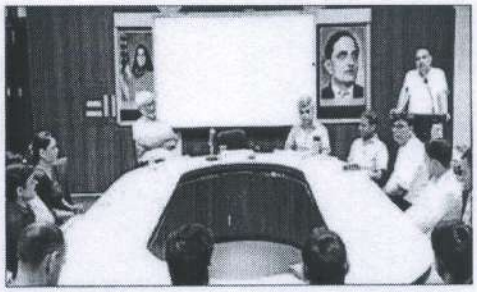

हिसार। भू-सूचना एक रूचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छः सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू विज्ञान,कम्प्युटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं।

कुलपति ने कहा अन्तरिक्ष तकनीक में हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। भारत के पास विभिन उपग्रह जैसे कार्टोसेट, रिसोर्ससेट, रीसेट उपलब्ध हैं और विभिन प्रकार के उपग्रह छोड़ने हेतु लांचिंग विहकल भी। इसके कारण हमारा देश अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरे देशों के उपग्रहों को अन्तरिक्ष में छोडने में समर्थ है। उन्होंने कहा की हमारे देश में सुदूर संवेदन उपग्रहों का उपयोग प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण के प्रबंधन में सफलतापूर्वक किया जा रहा है। आजकल देश में सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक का प्रयोग प्रशासकों एवं योजनाकारों के लिए सही समय पर फैसले लेने के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है।

प्रो. काम्बोज ने छात्रों से आह्वान किया कि वे इस तकनीक में गहन अध्ययन करने के लिए विश्व के उच्चस्तरीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर अच्छा रोजगार प्राप्त कर देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने छात्रों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरी तन्मयता से ज्ञान प्राप्त करने का भी आह्वान किया।

हरसैक के निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह आर्य ने हरसैक की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा की हरसैक राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के सर्वेक्षण, मानचित्रण, प्रबंधन, अवैध कालोनियों के मानचित्रण, राज्य शहरी सूचना प्रणाली के तहत शहरों के मानचित्र, पर्यावरण, कृषि, भूमि,पानी इत्यादि कार्यों में इस तकनीक का उपयोग सफलता पूर्वक कर रहा है। उन्होंने कहा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व शोधार्थियों को सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक के बारे में अवगत करना है। यह तकनीक सरकारी व निजी क्षेत्र में बहुत रोजगारपरक है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनूप कुमार ने इस प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि हरसैक के वैज्ञानिक श्री रितेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। किया। इस अवसर पर हरसैक के सभी वैज्ञानिक, अधिकारिगण और कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भारत सारथी	19.7.2022	--	--

चौ.च.सिं. हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नशीली दवाओं के सेवन के विरूद्ध अभियान 20 जुलाई से

Jul 19, 2022 aap party haryana, haryana bjp, haryana congress, haryana sarkar, INLD, jjp, ए डी जी पी हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो श्रीकांत जाधव, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार, मुख्यमंत्री मनोहर लाल

Share via:

+ More

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकांत जाधव करेंगे उद्घाटन

हिसार : 19 जुलाई - हरियाणा सरकार के नशा मुक्त हरियाणा मिशन को गति प्रदान करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 20 जुलाई को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के विरुद्ध विषय को लेकर जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ-साथ शहर वासियों को नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दी।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि देश व हरियाणा प्रदेश में फैल रहे नशा से चिंतित हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने हरियाणा को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन जिसको 'धाकड़' यानि हिम्मत वाला नाम दिया गया है, की शुरूआत की है जिसकी जिम्मेवारी हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो सहित कुल 18 विभागों को सौंपी गई है जो आपसी सहयोग से प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। ऐसी कार्य योजना की शुरूआत करने वाला जहां हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है वहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में इस अभियान को आगे बढ़ाने वाला पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया इस कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकांत जाधव मुख्यातिथि होंगे जो उपर्युक्त विषय पर विशेषकर युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करेंगे। बता दें कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज स्वयं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे जबकि लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के इन्दिरा गांधी सभागार में 11 बजे आरम्भ होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	19.07.2022	------	------

नशा मुक्त हरियाणा मिशन पर जागरूकता अभियान व रैली कल

हिसार/ 19 जुलाई/ रिपोर्टर

प्रदेश सरकार के नशा मुक्त हरियाणा मिशन को गति प्रदान करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के विरूद्ध विषय को लेकर इंदिरा गांधी सभागार में कल जागरूकता अभियान का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारियों के साथ-साथ शहर वासियों को नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ़ जागरूक किया जाएगा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि देश व प्रदेश में फैल रहे नशा से चिंतित मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए हाल ही में हरियाणा पुलिस के नशामुक्त हरियाणा मिशन जिसको 'धाकड़' यानि हिम्मत वाला नाम दिया गया है, की शुरूआत की है जिसकी जिम्मेवारी हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो सहित कुल 18 विभागों को सौंपी गई है जो आपसी सहयोग से प्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे। ऐसी कार्य योजना की शुरूआत करने वाला जहां हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है। वहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में इस अभियान को आगे बढ़ाने वाला पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया इस कार्यक्रम में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव मुख्यातिथि होंगे, जबकि वह स्वयं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे और लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि होंगे। कुलपति ने बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित श्रोताओं को स्वयं नशा न करने और दूसरों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त आम जन को नशे के खिलाफ जागरूक करने के लिए शहर में एक रैली निकाली जाएगी जिसमें विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक टुकड़ियों में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यात्रा करेंगे और लोगों को नशा के विरूद्ध जागरूक करेंगे। उन्होंने बताया इस मौके पर नशा छोड़ चुके व्यक्तियों द्वारा अपने अनुभवों को सांझा किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कमेटियां बनाई गई हैं जिन्हें जिम्मेवारियां सौंपी गई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	19.07.2022	------	------

भू-सूचना में विद्यार्थियों के लिए करियर बनाने की अपार संभावनाएं : कुलपति

हिसार/ 19 जुलाई/ रिपोर्टर

भू-सूचना एक रूचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कही। वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छः सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के शुभारम्भ पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस प्रशिक्षण में राज्य के विभिन महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू विज्ञान,कम्प्युटर विज्ञान आदि विषयों के 40 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। कुलपति ने कहा अन्तरिक्ष तकनीक में हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। भारत के पास विभिन उपग्रह जैसे कार्टोसेट, रिसोर्ससेट, रीसेट उपलब्ध हैं और विभिन प्रकार के उपग्रह छोड़ने हेतु लॉचिंग व्हीकल भी। इसके कारण हमारा देश अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरे देशों के उपग्रहों को अन्तरिक्ष में छोडने में समर्थ है। उन्होंने कहा की हमारे देश में सुदूर संवेदन उपग्रहों का उपयोग प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण के प्रबंधन में

सफलतापूर्वक किया जा रहा है। आजकल देश में सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक का प्रयोग प्रशासकों एवं योजनाकारों के लिए सही समय पर फैसले लेने के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है। हरसैक के निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह आर्य ने कहा कि हरसैक राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के सर्वेक्षण, मानचित्रण, प्रबंधन, अवैध कालोनियों के मानचित्रण, राज्य शहरी सूचना प्रणाली के तहत शहरों के मानचित्र, पर्यावरण, कृषि, भूमि, पानी इत्यादि कार्यों में इस तकनीक का उपयोग सफलता पूर्वक कर रहा है। उन्होंने कहा इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व शोधार्थियों को सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक के बारे में अवगत करना है। यह तकनीक सरकारी व निजी क्षेत्र में बहुत रोजगारपरक है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अनूप कुमार ने प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि हरसैक के वैज्ञानिक रितेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाईम्स	19.07.2022	------	------

भू-सूचना विज्ञान में विद्यार्थियों के लिए करियर की अपार संभावनाएं : वीसी

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। भू-सूचना एक रूचिपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छ: सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू

विज्ञान,कम्प्युटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं । कुलपति ने कहा अन्तरिक्ष तकनीक में हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। भारत के पास विभिन उपग्रह जैसे कार्टोसेट, रिसोर्ससेट, रीसेट उपलब्ध हैं और विभिन प्रकार के उपग्रह छोडने हेतु लांचिंग विहकल भी। इसके कारण हमारा देश अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरे देशों के उपग्रहों को अन्तरिक्ष में छोडने में समर्थ है। उन्होंने कहा की हमारे देश में सुदूर संवेदन उपग्रहों का उपयोग प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण के प्रबंधन में सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

हरसैक के निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह आर्य ने हरसैक की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा की हरसैक राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के सर्वेक्षण, मानचित्रण, प्रबंधन, अवैध कालोनियों के मानचित्रण, राज्य शहरी सूचना प्रणाली के तहत शहरों के मानचित्र, पर्यावरण, कृषि, भूमि,पानी इत्यादि कार्यों में इस तकनीक का उपयोग सफलता पूर्वक कर रहा है। उन्होंने कहा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व शोधार्थियों को सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक के बारे में अवगत करना है। यह तकनीक सरकारी व निजी क्षेत्र में बहुत रोजगारपरक है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनूप कुमार ने इस प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि हरसैक के वैज्ञानिक श्री रितेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। किया। इस अवसर पर हरसैक के सभी वैज्ञानिक, अधिकारिगण और कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	20.7.2022	--	--

भू-सूचना विज्ञान में विद्यार्थियों के लिए करियर बनाने की अपार संभावनाएं : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

प्रवीन कुमार

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए एवं कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को स्मृति चिन्ह देते हुए हरसैक के निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह आर्य।

हिसार। भू-सूचना एक महत्वपूर्ण विषय है। विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाने की इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे हरियाणा अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (हरसैक) की ओर से आयोजित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा प्रायोजित किए गए भू सूचना तकनीक पर छः सप्ताह अवधि के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, भू विज्ञान,कम्प्यूटर विज्ञान आदि विषयों के 40 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे है।

कुलपति ने कहा अन्तरिक्ष तकनीक में हमारा देश विश्व के अग्रणी देशों में शामिल है। भारत के पास विभिन्न उपग्रह जैसे कार्टोसेट, रिसोर्ससेट, रैसेट उपलब्ध है और विभिन्न प्रकार के उपग्रह छोड़ने हेतु लॉचिंग विहकल भी। इसके कारण हमारा देश अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरे देशों के उपग्रहों को अन्तरिक्ष में छोड़ने में समर्थ है। उन्होंने कहा की हमारे देश में सुदूर संवेदन उपग्रहों का उपयोग प्राकृतिक संसाधनों एवं पर्यावरण के प्रबंधन में सफलतापूर्वक किया जा रहा है। आजकल देश में सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक का प्रयोग प्रशासकों एवं योजनाकारों के लिए सही समय पर फैसले लेने के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है।

प्रो. काम्बोज ने छात्रों से आह्वान किया कि वे इस तकनीक में गहन अध्ययन करने के लिए विश्व के उच्चस्तरीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर अथवा रोजगार प्राप्त कर देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने छात्रों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरी तन्मयता से ज्ञान प्राप्त करने का भी आह्वान किया।

हरसैक के निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह आर्य ने हरसैक की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा की हरसैक राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के सर्वेक्षण, मानचित्रण, प्रबंधन, अवैध कालोनियों के मानचित्रण, राज्य शहरी सूचना प्रणाली के तहत शहरों के मानचित्र, पर्यावरण, कृषि, भूमि,पानी इत्यादि कार्यों में इस तकनीक का उपयोग सफलता पूर्वक कर रहा है। उन्होंने कहा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व शोधार्थियों को सुदूर संवेदन तकनीक के साथ-साथ भौगोलिक सूचना तंत्र एवं ग्लोबल पोजिशनिंग तंत्र तकनीक के बारे में अवगत कराना है। यह तकनीक सरकारी व निजी क्षेत्र में बहुत रोजगारपरक है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनूप कुमार ने इस प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि हरसैक के वैज्ञानिक श्री रितेश कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। किया। इस अवसर पर हरसैक के सभी वैज्ञानिक, अधिकारीगण और कर्मचारी मौजूद रहे।